



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 282] नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 17, 1981/श्रावण 26, 1903

No. 282] NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 17, 1981/SRAVANA 26, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

नीचहन और परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 17 अगस्त, 1981

सा० का० नि० 486 (ख) :—केन्द्रीय सरकार, भारतीय पत्तन अधिनियम 1908 (1906 का 15) की धारा 34 के द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मुम्बई महापत्तन के लिए उक्त अधिनियम की धारा 36 के अधीन नियुक्त प्राधिकारी से परामर्श करने के पश्चात् तटीय अलयानों को (मुम्बई महापत्तन के भीतर चलने वाले बखरों को छोड़कर) उक्त अधिनियम की धारा 33 के अधीन मुम्बई महापत्तन पर उदग्रहणीय कुल पत्तन शुल्क के दस प्रतिशत के बराबर शुल्क के संशय से इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करती है।

[फा० सं० पी जी आर 25/81 (1)]

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Ports Wing)

New Delhi, the 17th August, 1981

NOTIFICATIONS

G.S.R. 486(E).—In exercise of the powers conferred by section 34 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), the Central Government after consulting the authority appointed under section 36 of the said Act for the Major Port of Bombay, hereby exempts the coastal vessels (except the barges plying within the Major Port of Bombay) from the payment of port dues equal to 10 per cent (ten per cent) of the total port-dues leviable under section 33 of the said Act at the Major Port of Bombay, for a period of one year from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[F. No. PGR-25/81(1)]

सां. कां. नि० 487 (अ) —केंद्रीय सरकार, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 35 की उपधारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तटीय जलवानों को (मुम्बई महापत्तन के भीतर चलने वाले बज्रों को छोड़कर) उक्त धारा की उपधारा (1) के अधीन मुम्बई महापत्तन में प्रसार्य मार्ग दर्शन फीस के दस प्रतिशत के बराबर मार्ग-दर्शन फीस की इस अधिवृत्ति के गणना में पड़ाना होने की जाति में एक वर्ष के लिए छूट प्रदान करती है।

[फा० सं० पार 25/81]

दिनेश कुमार जैन, संयुक्त सचिव

G.S.R. 487(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 35 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), the Central Government hereby remits, in the case of the coastal vessels (except the barges plying within the Major Port of Bombay), the fee for pilotage equal to 10 per cent (ten percent) of the fee for pilotage chargeable under sub-section (1) of the said section at the Major Port of Bombay for a period of one year from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[F. No. PGR-25/81]

D. K. JAIN, Jt. Secy.